ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुष्प की अभिलाषा

कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी (LOWER HINDI)
पाठ - ४
पाठ का नाम - पुष्प की अभिलाषा
PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

5 पुष्प की अभिलाषा

चिंतन-मनन

फूल भी अपनी अभिलाषा में देश पर त्याग-बलिदान करने को तत्पर है। देश-प्रेम सर्वोपरि प्रेम है।

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर, हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ में देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

—श्री माखनलाल चतुर्वेदी

शब्दार्थ –

पुष्प = फूल
अभिलाषा = इच्छा
चाह = इच्छा
गूँथा = बाँधना , पिरोना
हरि = भगवान
भाग्य = नसीब
वनमाली = बगीचे का रक्षक
पथ = मार्ग
मातृभूमि = जन्मभूमि
शीश = सिर
वीर = साहसी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुष्प की अभिलाषा

1.चाह नहीं मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ,

व्याख्या- इस कविता द्वारा माखनलाल चतुर्वेदी जी ने यह बताने की कोशिश की हैं कि जब कभी माली अपने बगीचे से फूल तोड़ने जाता है तो माली फूल से पूछता है कि तुम कहाँ जाना चाहते हो? माला बनना चाहते हो या भगवान के चरणों में चढ़ाया जाना चाहते हो तो इस पर फूल कहता है –मुझे कोई चाह नहीं है कि मैं किसी स्त्री के गहनों में गूँथा जाऊँ, मुझे कोई इच्छा नहीं है कि मैं किसी महिला के बालों का गजरा बनूँ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2.चाह नहीं, सम्राटों के शव
पर हे हरि, डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।

व्याख्या- मुझे कोई इच्छा नहीं कि मैं किसी प्रेमी युगलों का माला बनूँ। मुझे इसकी बिलकुल चाह नहीं है कि मैं फूल बनकर किसी राजा या सम्राट के शव पर चढ़ाया जाऊं। मुझे इसकी भी इच्छा नहीं है कि मुझे भगवान के मस्तक पर अर्पित किया जाये जिससे मुझे अपने भाग्य पर गर्व हो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow